बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

BAPS

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रारंभ**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । कुल गुण : १००

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - चतुर्थ संस्करण, नवम्बर - २०११

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''तुम्हें माँ ने यहाँ भेजते समय क्या कहा था ?'' (३१) २. ''तो मेरी मृत्यु निश्चित थी ।'' (५७)

३ ''एक भी ब्राह्मण को नीचे मत उतरने देना ।'' (३६)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. अपने बालमित्रों के घर में घुसकर घनश्याम और बालमित्रों क्या खा लेते थे ? (६३)

२. काशी में घनश्याम ने कौन-से मत में रुचि बता दी ? (८९)

३. चारों ओर पानी ही पानी हो जाने पर किस किस को चिन्ता होने लगी ? (७९)

४. नारायण सरोवर की किस दिशा में किस का विशाल वन आया हुआ है ? (२५)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों की पिटाई :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों की पिटाई :- **अयोध्या** में घनश्याम **बरामदे** में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर **पूड़ी** झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **भक्तिमाता और धर्मपिता का देहोत्सर्ग :** भक्तिमाता इच्छाराम को कहने लगे, ''घनश्याम तो भगवान हैं, वह संसार से हमेशा उदासीन रहता है, इसलिए उसको लाड़-प्यार से रखना ।'' (९०)

२. **ठंडे जल से चेचक की बीमारी गई :** घनश्याम ने कहा, ''हम तो ब्राह्मण हैं, हमें तो हर रोज़ प्रात:पूजा करनी चाहिए ।'' (२७)

३. **रामचंद्र के रूप में दर्शन :** मंछा नामक मछुआरे ने नारायण सरोवर में घनश्याम को खोज़ने के लिए पानी में छलांग लगाई । (७१)

४. **भाभी का विलाप :** धर्मदेव दु:खी होकर अपने आपको पूछने लगे कि वह कहाँ गया होगा ? छपिया के जिन आश्रम में इच्छाराम का हमेशा डेरा लगा रहता, वहाँ जाकर तलाश करना आरंभ किया । (९६)

प्र.४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (विवरण आवश्यक नहीं है ।) [५]

१. खिचड़ी के बदले खीर । (२२-२३) २. सोलह चिह्न । (५०-५३) ३. हनुमानजी की सेवा । (११-१२)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. बन्दर को समाधि । (३२)

(१) ☐ अयोध्या में आसुरीवृत्ति से त्रस्त होकर धर्मदेवजी छपिया गए । (२) ☐ बरहट्टा मुहल्ले में रहने लगे ।

(३) ☐ बन्दर ने थाल में से आम उठाया । (४) ☐ तीन दिनों तक बन्दर समाधि में रहा ।

२. बालप्रभु का पराक्रम । (११)

(१) ☐ कालिदत्त ने बालप्रभु को मार डालने के लिए कृत्याओं को आदेश दिया ।

(२) ☐ कृत्याएँ बालप्रभु को झपटकर आम के उपवन की ओर दौड़ पड़ी ।

(३) ☐ हनुमानजी ने सुवासिनी भाभी को बालप्रभु गोद में दिए ।

(४) ☐ कौशिक ने कोटरा को बालप्रभु को मार डालने के लिए भेजा ।

३. लोभी हलवाई को चमत्कार । (४५-४६)

(१) ☐ घनश्याम ने भक्तिमाता को कहा, ''जोरों की भूख लगी है । जल्दी से खाना दो ।''

(२) ☐ घनश्याम ने पेड़ें खाने की ठान ली ।

(३) ☐ रामप्रतापभाई ने घनश्याम के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया ।

(४) ☐ घनश्याम सारी मिठाइयाँ खा गये ।

४. नई बतीसी । (५७-५८)

(१) ☐ घनश्याम ने सुवासिनी भाभी से कहा, ''मेरी डाढ़ में बहुत पीड़ा हो रही है ।''

(२) ☐ सुवासिनी भाभी ने घनश्याम को हलुवा परोसा ।

(३) ☐ भाभी ने मुट्ठी खुलवाई तो उसमें दाँतों के बजाए मोती थे ।

(४) ☐ मान सरोवर के राजहँस घनश्याम के हाथ से मोती चुगकर उड़ गए ।

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. घनश्याम की खोज़ करने के लिए गए रामप्रतापजी को कुछ भी समझ में न आया कि वह कैसा चमत्कार है । (३९)

२. लक्ष्मीजी अति प्रसन्न हुईं । (२०) ३. घनश्याम ने इमली की शाखा तक अपना हाथ फैलाया । (३४)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''शास्त्रीजी महाराज को दूध दिया ?'' (३५) २. ''हमारे प्रधानाध्यापक ने बेगुनाह चन्दू को बहुत मारा है ।'' (४)

३. ''दो बातें याद रखना ।'' (१३)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रारंभ**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. गाय-भैंसें चरती हो तब झीणा भगत क्या करते ? (११) २. कुछ ठोट विद्यार्थी झीणाभाई को क्या कहते थे ? (४-५)
३. योगीजी महाराज के पास किस की मूर्ति थी ? (३०)
४. तीसरी बार की विदेशयात्रा में योगीजी महाराज ने हरिभक्तों को कितने महीने सुख-सन्तोष दिया ? (४६-४७)

प्र.९ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**
विषय : अक्षर मन्दिर के महन्त । (३३)

१. अक्षर मंदिर की प्रतिष्ठा : वैशाख शुक्ला दशमी । **२.** हकाबापू योगीजी महाराज की सहायता करते थे । **३.** योगीजी महाराज सुबह साढ़े तीन बजे उठकर अक्षरदेरी की सफाई करते । **४.** अक्षर मंदिर की प्रतिष्ठा : वैशाख कृष्णा दशमी । **५.** योगीजी महाराज चुपचाप अकेले ही रसोई बना रहे थे । **६.** योगीजी महाराज को गोंडल मंदिर के महंत के रूप में घोषित किया । **७.** उसमें विशेष साधु सम्मिलित हों और सत्संग बढ़े इस दृष्टि से धून का कार्यक्रम भी रखते थे । **८.** कोठारी साधु बीमार थे, इस लिए योगीजी महाराज रसोई बनाते थे । **९.** योगीजी महाराज ने कोठारी साधु को उलहना दिया । **१०.** श्रीजीमहाराज की कृपा से आज इस सेवा का लाभ मुझे मिला है । **११.** हिसाब का काम हकाबापू से करवाते थे । **१२.** योगीजी महाराज रसोईघर में बैठे बैठे रसोइया को कथा-वार्ता करते थे ।

(१) केवल सही क्रमांक						
(२) यथार्थ घटनाक्रम						

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० 'मान-अपमान में समता' (२२-२३) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. योगीजी महाराज ने जूनागढ छोड़ दिया । (१९) २. सत्संग सभा में कभी भी अनुपस्थित नहीं रहना चाहिए । (३७)
३. सद्गुरु कृष्णचरणदास ने झीणाभाई के मन की बात कही । (१०)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. अजामिल को लेने आये हुए यमदूत क्यों भाग निकले ? (८) २. विश्व की सभी चीज़ों के असली मालिक कोन है ? (३२)
३. वजीबाई कैसी भक्त थी ? (६८) ४. कोन सी दिशा में मुँह रखकर पूजा करनी चाहिए ? (१७)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**
सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. धुन (८)
(१) ☐ रामायण की रचना करनेवाले : वाल्मीकि ऋषि (२) ☐ अजामिल के लड़के का नाम नारायण ।
(३) ☐ जोबनपगी का परिवर्तन करनेवाले श्रीजीमहाराज थे ।
(४) ☐ भगवान तथा गुरु का स्मरण करके भजन करना इसी को नामधुन कहेते हैं ।

२. गंगा माँ । (२०)
(१) ☐ अहमदाबाद के पास जेतपुर गाँव के थे । (२) ☐ रामानंद स्वामी के शिष्य ।
(३) ☐ श्रीजीमहाराज को भतीजा अथवा बेटा कहकर पुकारती थी । (४) ☐ सिर पर जलती हुई अँगीठी पर कढ़ी-खिचड़ी पकाते थे ।

३. पूजा डोडिया । (५९-६०)
(१) ☐ पाणवी गाँव के राजपूत हरिभक्त । (२) ☐ बदरीनाथ जाकर देहत्याग करने का प्रयत्न किया ।
(३) ☐ श्रीजीमहाराज के स्वधामगमन के द्वादशी के दिन धाम में गए ।
(४) ☐ कृपानंद स्वामी और गुणातीतानंद स्वामी के द्वारा सत्संग ।

४. बालमंडल की सभा में बर्ताव । (६५-६७-६८)
(१) ☐ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम अनाज लेते हैं । (२) ☐ बालसभा में जाने से बुरी आदतें छूट जाएँगी ।
(३) ☐ भगवान का प्रसाद पवित्र है । (४) ☐ सबको 'जय स्वामिनारायण' कहे, तत्पश्चात् घर लौटे ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **[४]**

१. .... को दातुन देनेवाली बीवी .... गाँव की थी । (३७)
२. गुणातीतानन्द स्वामीने संवत् .... में .... गाँव में जीवनलीला समाप्त की । (४४)
३. वाल्मिकी .... के जप से सुधर गये । (८) ४. .... में मन्दिर बनाकर .... ने अपनी मूर्ति वहाँ प्रतिष्ठित की । (१५)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **[८]**

१. हम तो हैं स्वामी के .... मौत की परवाह (शौर्यगीत) २. सद्बुद्धि .... दीजिए टारी । (१२)
३. आगच्छ भगवन् .... मुखो भव ॥ (१७) ४. नारायण सुखदाता .... गया काशी (२६)

प्र.१६ 'करोड़ काम बिगाड़कर..' (४७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रंदह पंक्तियाँ)** **[५]**

प्र.१७ 'नाथ भक्त' (६३-६५) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।)** **[५]**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**
http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm